''मेरे स्मरण के लिए यही किया करो''

''क्योंकि यह बात मुझे प्रभु से पहुंची, और मैं ने तुम्हें भी पहुंचा दी; कि प्रभु यीशु ने जिस रात वह पकड़वाया गया रोटी ली। और धन्यवाद करके उसे तोड़ा, और कहा; कि यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिए है: मेरे स्मरण के लिए यही किया करो। इसी रीति से उन ने बियारी के पीछे कटोरा भी लिया, और कहा; यह कटोरा मेरे लोहू में नई वाचा है: जब कभी पीओ, तो मेरे स्मरण के लिए यही किया करो। क्योंकि जब कभी तुम यह रोटी खाते, और इस कटोरे में से पीते हो, तो प्रभु की मृत्यु को जब तक वह न आए, प्रचार करते हो''
(1 कुरिन्थियों 11:23-26)।

अपने चेलों के लिए लेते रहने के लिए भोज की स्थापना करते हुए यीशु ने भोज को यादगार के रूप में बात दोहराने से ज़ोर दिया। रोटी के लिए धन्यवाद देने के बाद और दाख के रस के लिए धन्यवाद देने के बाद, दो बार उसने उन्हें समझाया, ''मेरे स्मरण के लिए यही किया करो।''

''स्मरण'' के अपने वाक्यांश से उसने अपने प्रेरितों को भोज की तीन मुख्य बातें याद दिलाईं। संकेत के द्वारा उसने उन्हें इसे लगातार लेते रहने की ओर संकेत किया। जब भी उन्होंने इसमें से लेना था। अर्थात भविष्य में जब भी वे इसमें भाग लेते, उन्हें उसे स्मरण रखना था। दूसरा, उसने भोज की मुख्य बात को समझाया। यह उसके सम्मान में होना था: ''*मेरे* स्मरण के लिए यही किया करो'' (1 कुरिन्थियों 11:24)। तीसरी विशेषता इसका पीछे की ओर फोकस था। यह पीछे को देखने का माध्यम होना था।

इब्रानियों 10:1-3 पुराने नियमों के बलिदानों के सम्बन्ध में ''स्मरण'' शब्द का इस्तेमाल करता है। व्यवस्था ''आने वाली अच्छी वस्तुओं का प्रतिबिम्ब'' ही थी ''उनका असली स्वरूप नहीं'' इस कारण साल दर साल दिए जाने वाले बलिदान किसी को सिद्ध नहीं कर सकते थे। ''नहीं तो,'' हम पढ़ते हैं, ''उनका चढ़ाना बन्द क्यों न हो जाता? इसलिए कि जब सेवा करने वाले एक ही बार शुद्ध हो जाते, तो फिर उनका विवेक उन्हें पापी न ठहराता। परन्तु उनके द्वारा प्रतिवर्ष पापों का *स्मरण* हुआ करता है'' (इब्रानियों 10:1-3)।

पुराने नियम में बलिदान एक स्मरण या ''यादगार'' का काम करते थे। उन्हें दिए जाने पर आराधना करने वालों को उनके पापों का स्मरण आता था। यही बात प्रभु भोज में लागू होती है। भोज में भाग लेना यीशु को स्मरण करने का अवसर और माध्यम देता है।

आइए यीशु को अपने सामने रखकर प्रभु भोज को देखते हुए इसकी इस खूबी पर ध्यान करते हैं।

उसने क्या किया

भाग लेते हुए हमारे मन उस पर पीछे जाते हैं जो उसने किया है। यह भोज का ऐतिहासिक प्रश्न है। अपने मनों में हम ध्यान करते हैं कि वास्तव में यीशु के साथ क्या हुआ। पवित्र शास्त्र की ऐनक से हम मुकदमे, कोड़े मारे जाने, क्रूस के सफ़र, क्रूस पर छह घण्टे के संताप और क्रूस

पर चढ़ाए जाने के आस पास की सभी घटनाओं को देखते हैं।

मसीहियत की जड़ें इतिहास में अर्थात यीशु के वास्तविक जीवन, मृत्यु और पुनरुत्थान में हैं। अपने अस्तित्व के लिए कोई और धर्म ऐसे ऐतिहासिक आधार का दावा नहीं कर सकता।

उसने इसे कैसे किया

इस भोज में हमारे मन उस पर वापस जाते हैं कि जो उसने किया कैसे किया। यह भोज का ईश्वरीय पक्ष है। यह केवल एक मृत्यु नहीं बल्कि परमेश्वर के पुत्र की मृत्यु थी।

बिना यह याद किए कि यीशु कैसे मरा, उसकी मृत्यु पर गम्भीरतापूर्वक ध्यान नहीं दिया जा सकता। पतरस ने कहा कि यीशु ने ''न तो उसने पाप किया, और न उसके मुंह से छल की कोई बात निकली। वह गाली सुनकर गाली नहीं देता था, और दुख उठाकर किसी को भी धमकी नहीं देता था, पर अपने आपको सच्चे न्यायी के हाथ में सौंपता था'' (1 पतरस 2:22, 23)। अपने प्रभु के क्रूस पर चढ़ाए जाने की वचन में बताई तस्वीर को देखते हमें तीन नकारात्मक और एक सकारात्मक बात मिलती है। उसने पाप नहीं किया, उसने बदला नहीं लिया और उसने धमकी नहीं दी पर उसने अपने आपको परमेश्वर की इच्छा के आगे सौंप दिया।

यीशु के क्रूस पर चढ़ाए जाने का ऐसा सर्वेक्षण व्यक्ति को एक ही निष्कर्ष पर लाता है: मैं परमेश्वर के पुत्र को क्रूस पर मरते हुए देख रहा हूं! हम अपने आपको प्रभु के प्रत्येक दिन सूबेदार के जूतों में पाते हैं। हम जानते हैं कि हम ने मसीह को क्रूस पर चढ़ाया; परन्तु खून से भरे उस पूरे मामले के व्यवहार को देखने के बाद हमें उसकी ओर देखकर कहना पड़ता है, ''निश्चय यह मनुष्य धर्मी था'' (लूका 23:47); ''सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था!'' (मत्ती 27:54)। यूहन्ना ने लहू की गवाही की बात की (1 यूहन्ना 5:8); लहू के प्रमाण का एक भाग यीशु का आचरण अर्थात वह स्वर्गीय व्यवहार है जिसे उसने दिखाया।

उसने यह क्यों किया

मेज़ पर बैठे हुए हमारे मन वापस वहां जाते हैं कि जो कुछ यीशु ने किया वह उसने क्यों किया। यह भोज के सहभागिता वाला भाग है। हम अपने प्रभु के साथ बैठे हुए याद कर रहे हैं कि वह *हमारे लिए* कैसे मरा।

भोज की अपनी व्याख्या में दो बार यीशु ने ''तुम्हारे लिए'' कहा (लूका 22:19, 20)। उसने कहा कि उसकी देह ''तुम्हारे लिए दी'' गई और कटोरा ''तुम्हारे लिए बहाया'' गया। उसका दुख उठाना प्रतिनिधि के रूप में था; क्योंकि वह हमारी ओर से था। वह हमारे पापों के सम्बन्ध में परमेश्वर के न्याय को सही ठहराने के लिए मरा, न कि व्यवस्था के न्याय को पूरा करने के लिए उन पापों के लिए जो उसने किए थे। उसे हमारे कारण कोड़े मारे गए, हमारे कारण ठट्ठे किए गए, हमारे कारण उस पर थूका गया, हमारे कारण उसे क्रूस पर कीलों से ठोका गया, हमारे कारण स्वर्ग और पृथ्वी के बीच लटका दिया गया, और हमारे कारण परमेश्वर द्वारा दागा गया। अन्त में वह हमारे लिए मर गया।

हमारे प्रभु की मृत्यु की शाम यीशु ने यह यादगार वचन कहे थे: ''मेरे स्मरण के लिए यही किया करो।'' ''स्मरण'' शब्द में खुलापन है, क्योंकि सब मसीही सप्ताह के पहले दिन यीशु की

मृत्य का स्मरण करने के लिए इकट्ठा होते हैं (प्रेरितों 20:7)। इस शब्द में दूरी भी है, क्योंकि हमारे प्रभु के चेले पृथ्वी पर यीशु के जीवन और मृत्यु को देखने के लिए लगभग दो हज़ार वर्ष पीछे चले जाते हैं। ''स्मरण'' में संगति है, क्योंकि इस भोज में मसीही लोग स्वयं यीशु के साथ सहभागिता करते हैं। उसने अपने प्रेरितों को बताया, ''मैं तुम से कहता हूं, कि दाख का यह रस उस दिन तक कभी न पीऊंगा, जब तक तुम्हारे साथ अपने पिता के राज्य में नया न पीऊं'' (मत्ती 26:29)। यह वचन आज भी वही है, क्योंकि मसीही लोग हर सप्ताह इस मेज़ पर बैठते और बैठते रहेंगे, जब तक यीशु नहीं आता। एक अर्थ में इसमें भाग लेना उनके लिए जीवन देने वाला है। इस वचन में पवित्रता भी है, क्योंकि मसीही लोग इस भोज के द्वारा संसार की सबसे पवित्र घटना और इतिहास की सबसे पवित्र घटना अर्थात यीशु की मृत्यु पर चिन्तन करते हैं।

सारांश

आइए हम प्रभु के प्रत्येक दिन उस ऐकता में इकट्ठा हों जिसे संसार नहीं समझ सकता, मसीह के भोज के आस-पास परिवार की एकता में। उसके भोज के द्वारा हम एक गम्भीर चिन्तन में प्रवेश करें जो केवल यीशु पर ध्यान करता है। जो कुछ उसने किया, जो कुछ उसने किया उसे कैसे किया और जो कुछ उसने किया वह क्यों किया को स्मरण करते हुए हम परमेश्वर के पुत्र के साथ एक विशेष और विलक्षण सहभागिता बनाएं।

''यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिए दी जाती है: मेरे स्मरण के लिए यही किया करो। ... इसी रीति से उस ने बियारी के बाद कटोरा मेरे उस लोहू में जो तुम्हारे लिए बहाया जाता है नई वाचा है'' (लूका 22:19, 20)।